



शनसाढ़े साती क्या है

Arpita Nath द्वारा • मध्यवर्ती ज्योतिषि नोट्स • 2026-09-09

शनसाढ़े साती 7.5 वर्षों की एक अवधि है जो वैदिक ज्योतिषि में तब आती है जब शनआपकी जन्म कुंडली की चंद्र राशि (Rashi) से 12वें, 1वें और 2रे भाव में गोचर करता है।

शनकिर्म, अनुशासन, सीमाओं और कठनि परशिरम का ग्रह है। साढ़े साती केवल कोई "श्राप" नहीं है, बल्कयिह गहन कर्मों के हसिाब-किताब (ऑडिटिंग) का एक ऐसा दौर है जो भूमों को दूर करने, सहनशीलता बढ़ाने और आपके व्यक्त्व को परपिक्व बनाने के लिए आता है।

साढ़े साती के 3 चरण

चूँकिशनको एक राशिसे गुजरने में लगभग 2.5 वर्ष लगते हैं, इसलिए 3 राशियों में इसका संपूर्ण गोचर 7.5 वर्षों तक चलता है, जसैं तीन अलग-अलग चरणों में वभिाजति कयिा गया है:

पहला चरण: 12वें भाव का गोचर (मानसकि और वत्तितीय पुनर्गठन)

- केंद्रबद्धि:** खर्चे, नीद, वदिशी संपर्क और पुरानी चीजों को छोड़ना।
- प्रभाव:** मानसकि तनाव, अप्रत्याशति खर्चे, वत्तितीय नुकसान या अकेलापन महसूस होना। आप अव्यवहारकि आदतों को छोड़ने और फजूलखर्ची पर रोक लगाने के लिए वविश होते हैं।

दूसरा चरण: 1ले भाव का गोचर (व्यक्त्वगित पुनर्जन्म और चरम दबाव)

- केंद्रबद्धि:** स्वास्थ्य, व्यक्त्वगित पहचान, आत्म-सम्मान और महत्वपूर्ण रशिते।
- प्रभाव:** इसे शखिर चरण (चरम साढ़े साती) के रूप में जाना जाता है। भारी जमिमेदारयिां, पहचान में बदलाव, स्वास्थ्य में सुस्ती और करयिर का दबाव। यह सीधे तौर पर आपकी सहनशक्त्व की परीक्षा लेता है।

तीसरा चरण: 2रे भाव का गोचर (पारवारिकि और वत्तितीय स्थरिता)

- केंद्रबद्धि:** धन संचय, पारवारिकि माहौल, वाणी और दीर्घकालकि सुरक्षा।

- **प्रभाव:** दबाव धीरे-धीरे कम होने लगता है। आपका ध्यान वित्त को फरि से मजबूत करने, पारिवारिक रश्तों को सुधारने और अपनी नई, अधिक समझदारी भरी वास्तविकता में स्थिर होने पर केंद्रित होता है।

साढ़े साती के दौरान कैसे संभले (और प्रगत करें)

शन विनिमृता, सत्य और अनुशासन को पुरस्कृत करता है जबकि शॉर्टकट, अहंकार और धोखे के लिए दंड देता है।

- **धीमे और नरितर प्रयासों को अपनाएं:** जल्दी अमीर बनने की योजनाओं या आवेगी रूप से करियर बदलने से बचें। शन निरितर और स्थिर परिश्रम का सम्मान करता है।
- **कड़े अनुशासन और ईमानदारी का पालन करें:** साफ-सुथरी दिनचर्या, नैतिक व्यापारिक आचरण और स्पष्ट वाणी अपनाएं।
- **सेवा का अभ्यास करें:** बुजुर्गों, कामगारों (मजदूरों) और वंचितों की मदद करें - शन श्रमिक वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है।
- **आध्यात्मिक सहारा:** शनिवार के दिन हनुमान चालीसा या शन स्तोत्र का पाठ करें, क्योंकि भगवान हनुमान की ऊर्जा शन की कठोरता को शांत करती है।
- **दान-पुण्य:** शनिवार को जूरतमंदों को काली वस्तुएं जैसे भोजन, कपड़े, काले कंबल या लोहे की चीजे दान करें।

<https://astroarpitanath.com/hindi/shani-sade-sati/>

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।